

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

नियमित योगाभ्यास को बनायें जीवन का हिस्सा— कुलपति प्रो. मिश्र

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों के आयोजन



जबलपुर 21 जून। योग एक अभ्यास है जो लोगों को एक दूसरे से जोड़ता है, साथ ही ध्यान का अभ्यास करने में मदद करता है और तनाव से राहत दिलाता है। योग स्वास्थ्य की सुरक्षा और सतत स्वास्थ्य विकास के बीच एक कड़ी प्रदान करता है। इसलिए हमें नियमित रूप से योग का अभ्यास करना चाहिए और इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उपरोक्त उद्गार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये।

भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में दिनांक 21 जून 2022 को आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः मध्य प्रदेश के मान. मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा भारत के मान. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आभासी उद्बोधन के साथ प्रारंभ हुआ।

सभी ने मिलकर किया योगाभ्यास—

विश्वविद्यालय के योग विभाग एवं विश्वविद्यालय के एन.एस.एस. प्रकोष्ठ के सम्मुख स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास किया। इस दौरान ताड़ासन, वृक्षासन, पद्मासन, अर्ध-पद्मासन, त्रिकोणासन आदि आसनों का अभ्यास व ध्यान कराया गया। कार्यक्रम के अंत में कुलपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय प्रो. कपिलदेव मिश्र, कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, सहा. कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा ने योग संकल्प दिलाते हुए अपने उद्बोधन से छात्र-छात्राओं की सहभागिता हेतु उनका मनोबल बढ़ा है और प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संयोजन योग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. भरत तिवारी एवं एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अशोक कुमार मराठे, कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस ओपन यूनिट डॉ. देवांशु गौतम सहित योग विभाग के डॉ. राजेश कुमार पांडे, डॉ. राकेश गोस्वामी, डॉ. रीना मिश्रा, डॉ. वंदना यादव, डॉ. वर्षा अवस्थी आदि के संयुक्त संयोजन से आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के 100 से अधिक स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया और अन्य लोगों को भी इस हेतु जागरूक करने के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में योग विभाग के विभागाध्यक्ष व छात्र-छात्राओं सहित समस्त अतिथि व्याख्याता रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अशोक कुमार मराठे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवांशु गौतम, डॉ. शैलेश प्रसाद सहित एनएसएस के स्वयंसेवकों में सुयस श्रीवास्तव, अंकित लखेरा, मौसमी गौतम, पार्वती अहिरवार, मोहम्मद हसनैन बेग, विष्णु कुमार कुशवाहा, योगेश कुशवाहा, मधु पटेल., नम्रता तिवारी, वंदना तिवारी, अंकित लखेरा, निखिल कुमार गुप्ता, शंकरलाल पटेल, निक्की विश्वकर्मा, सुशीला यादव, तबस्सुम बानो, हरिओम चौधरी, सत्यम जैन, करण ठाकुर., प्रांजल गोल्हनी, रेनु चौधरी, आकांशा प्रधान, उज्ज्वल मेहरा, सृजन बल्मीकि, शिवानी पटेल, बुशरा आफरीन, राजेश जायसवाल, कंचना साकेत, रजनी कुशवाहा, नारायण लोधी, शिवानी चतुर्वेदी, तनीषा ब्योहार, आदित्य गुप्ता, मरियम खान, राम राज जायसवाल, कन्हैयालाल चौधरी आदि का उत्कृष्ट योगदान व सहभागिता रही।

शोक सभा आयोजित



जबलपुर 21 जून। रादुविवि के मुख्य प्रशासनिक भवन में विश्वविद्यालय के गणित विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. सत्यदेव त्रिपाठी एवं श्रीमती आशा जैन, सेवानिवृत्त कर्मचारी के आकस्मिक निधन पर समस्त अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं की सम्मिलित शोकसभा आयोजित की गई। शोक संदेश का वाचन कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र एवं कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. मृदुला दुबे, प्रो. एस.एन. बागची, प्रो. दिव्या बागची, सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा, श्रीमती सुनीता देवड़ी, सुश्री मिनाल गुप्ता एवं सुश्री मोनाली सूर्यवंशी तथा डॉ. गजेन्द्र सिंह, डॉ. राजेन्द्र दुबे, श्री अजय झारिया, श्री आर.पी. कोरी, श्री बैशाखू, श्री राजमणि नासेरी, श्रीलाल बैगा सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।